स्पिड संदेश

अप्रैल – जून – 2017 संस्करण–3 स्पिड सोसाइटी द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका

घरेलू कामगार महिलाओं ने उप श्रमायुक्त को दिया ज्ञापन

दिनांक 30 जून 2017 को असंगठित कामगार अधिकार मंच उत्तर प्रदेश एवं घरेलू कामगार महिलाओं ने अपर श्रम आयुक्त से मुलाकात कर घरेलू कामगारों की समस्याओं से अवगत कराया। कर्बला बस्ती से आयी हुई घरेलू कामगार महिलाओं ने अपनी बात रखते हुए अपर श्रम आयुक्त से बताया कि हम लोगों के न ही काम के घंटे और न ही उचित मजदूरी तय है इसके साथ ही हमारी कोई भी पहचान नही है, हम लोगों के लिए तो छुट्टी भी तय नही है। घरेलू कामगार नरगिस जो राज नगर से आई थी उन्होने बताया कि हम लोगों के लिए कोई कानून न होने के कारण हम घरेलू कामगारों का शारीरिक शोषण भी बहुत किया जाता है। इसलिए हम लोगों के लिए अलग बोर्ड व कानून बनाया जाए। असंगठित अधिकार मंच के प्रभारी श्री प्रमोद कुमार जी ने महाराष्ट्र, केरल और आन्ध्र प्रदेश में घरेलू कामगारों के लिए अलग से बने कानून व बोर्ड का उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भी अलग से कानून व बोर्ड बनना चाहिए जिससे कि इनकी स्थिति में सुधार हो सके। आगरा के सामाजिक कार्यकर्ता श्री तुलाराम शर्मा ने घरेलू कामगारों की वास्तविक स्थिति से अपर श्रम आयुक्त महोदय को अवगत कराया। श्रम आयुक्त ने आश्वासन दिया कि हम आप की आवाज को इस ज्ञापन के माध्यम से माननीय श्रम मंत्री तक पहुंचायेंगे और इस अभियान में श्रम विभाग पूरा सहयोग करेगा।

एडवोकेसी आगरा टीम –

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21 जून 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर स्पिड सोसाइटी के उत्तम नगर और नांगलोई सेण्टर पर कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रो के साथ स्टॉफ ने मिलकर मनाया। इस अवसर पर स्पिड के निदेशक अवधेश यादव जी भी उपस्थित होकर योगा में भाग लिया। स्पिड के नांगलोई सेन्टर पर योग प्रशिक्षणकर्ता के रूप में प्रीति उपस्थित थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शरीर को स्वस्थ्य एवं निरोगी काया बनाने के लिए योग का महत्व बताना था। प्रशिक्षणकर्ता ने बताया कि रोजाना योग करने से मनुष्य का शरीर 90 प्रतिशत बिमारियों से बचता है, और एक स्वस्थ्य जीवन की तरफ अग्रसर होता है। यह कार्यक्रम सुबह 6 बजे से आरम्भ होकर 7:30 बजे सुबह समाप्त हुआ इसके बाद सभी बच्चों को जलपान कराया गया।

–स्पिड स्मार्ट, उत्तम नगर एवं नांगलोई

'आर0टी0पी0' टीम दिल्ली -

स्पिड सोसाइटी के द्वारा संचालित रैपिड टेस्टिंग कार्यक्रम दिल्ली में चलाया जाता है। इसमें हम शिविर के माध्यम से लोगो को एच0आई0वी0 के बारे में जागरूक करते है। इस शिविर को आयोजित करने के लिए हम एच0आर0जी0 (उच्च जोखिम वाले क्षेत्र) को देखते है। शिविर में हम एम0एस0एम0, माइग्रेन्ट, ट्रकर्स, एफ0एस0डब्ल्यु, पर ज्यादा ध्यान देते है इसके अलावा जन समुदाय की भी जाँच की जाती है। शिविर समुदाय की सहायता से जिसमें ऑगनवाडी, क्षेत्र के प्रधान, स्टॉक होल्डर, नेताओं, गैर सरकारी संस्थाओं तथा आशा कार्यकर्तीओं के माध्यम से निःशुल्क एच0आई0वी0 जॉच शिविर का आयोजन करते है। पिछले तीन महीने के दौरान स्पिड दिल्ली की टीम के द्वारा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 59 जॉच शिविर लगाए गए जिसमें लगभग 4932 लोगो की जॉच की गई और इस दौरान 11 लोग एच0आई0वी0 से संक्रमित मिले जिसमें से 3 लोगो की ए0आर0टी0 की दवा शुरू करा दी गई हैं। जॉच के दौरान कुल लगभग 15000 निरोध को भी लोगो के बीच में वितरित किया गया। जन लक्ष्मी फाइनेसिंयल लिमिटेड , प्रयास संस्था, जीत संस्था, सेवा भारती के अलावा और भी कुछ संस्थाओं के साथ मिलकर कैम्प का आयोजन किया गया।

आर0टी0पी0 दिल्ली

कम्प्यूटर कक्षा

स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर में रहने वाले 1 वर्ष से 15 वर्ष के बच्चों के लिए सेण्टर में विभिन्न तरह की गतिविधियाँ जैसे – कला,नृत्य को संचालित किया जाता है इसी क्रम में बच्चो को पढ़ाई के साथ–साथ ही कम्प्यूटर के बारे में भी शिक्षा दी जाती है। बच्चो की कौशलता को बढ़ाने के उद्देश्य से अप्रैल माह से प्रत्येक सप्ताह में एक दिन 7 वर्ष से 15 वर्ष के बच्चों को कम्प्यूटर की शिक्षा भी दी जा रही है। इस तरह की क्लास को दो समुहो में बाँटकर कम्प्यूटर की जानकारी सेन्टर में कम्प्यूटर विशेशज्ञ जैकब जी के द्वारा बच्चों को कम्प्यूटर तथा उससे जुड़ी जानकारी को दिया जा रहा है।

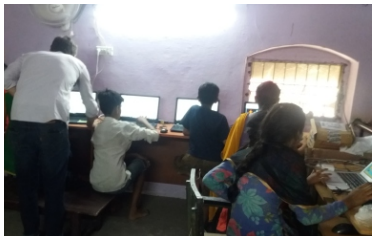

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com

प्रेस वार्ता

दिनांक 16 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय घरेलू कामगार दिवस के अवसर पर एक प्रेस वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता घरेलू कामगारों के लिए अलग कानून व बोर्ड बने यह संदेश राज्य सरकार तक पहुंचे इस उद्देश्य से किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता तुलाराम शर्मा जी ने बताया कि आज देश में लगभग 9 करोड़, उत्तर प्रदेश में लगभग 20 लाख व आगरा शहर में लगभग 2 लाख घरेलू कामगार हैं और दिनो– दिन इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। अधिक संख्या में होते हुए भी न तो इनके काम करने के घंटे तय हैं, न ही इनकी मजदूरी तय है साथ ही इनका शारीरिक व मानसिक शोषण हो रहा है। इसलिए घरेलू कामगारों के लिए अलग कानून व बोर्ड बनाया जाना चाहिए। इससे इनको इनका अधिकार व सामाजिक सुरक्षा मिल सकेगा। बृज मण्डल हेरिटेज कंजरवेशन सोसाइटी के सदस्य श्री श्रवण कुमार ने मीडिया को बताया कि घरेलू कामगारों के लिए वेतन, सुरक्षा व बीमा हेतु बोर्ड बनाया जाय। इनके काम करने के घंटे व मजदूरी तय हो। उन्होने बताया कि आगरा शहर में लगभग 2 लाख महिलाएं झाड़ू– पोछा का काम कर रही हैं। इन्हे इनके अधिकार के बारें में जानकारी नही है और न ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हैं। इसलिए जो भी कार्य संस्थाओं के द्वारा किया जाय उसमें मीडिया का सहयोग जरूर हो।

– एडवोकेसी आगरा टीम

कार्यशाला

स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर के कार्यकर्ता ने डी0सी0पी0यू0–ईस्ट एवं नार्थ ईस्ट दिल्ली के नेतृत्व में जिला स्तर पर सभी बालक एवं बालिकाओं के सभी अधिकारो और सुरक्षा के विषय व बाल संरक्षण कानून, योजनाओं की जानकारी के लिए दो दिन के प्रशिक्षण में भागीदारी ली, इस प्रशिक्षण में लगभग 25 संस्थाओं ने भाग लिया। तथा इसके अलावा सेन्टर के सदस्यों ने बटरफ्लाई संस्था द्वारा आयोजित एक कार्यशाला '' लिंग आधारित हिंसा पीड़ित बच्चे'' में भाग लिया।

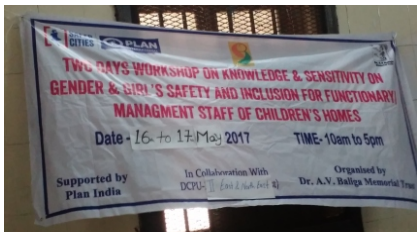

एममित्रा

अरमान संस्था के सहयोग से तथा स्पिड सोसाइटी के द्वारा संचालित कार्यक्रम ''एममित्रा'' के अर्न्तगत स्पिड द्वारा दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशु के मा कों निःशुल्क फोन के माध्यम से उनके स्वास्थ्य, आहार, टीकाकरण आदि के विषय में जानकारी दी जाती है। इसके लिए उन क्षेत्रो की महिलाओं का पंजीकरण किया जाता है, इस कार्यक्रम के द्वारा महिलाओं को किस प्रकार का लाभ हो रहा है तथा उन्हें एममित्रा के दौरान दी जाने वाली गर्भवस्था के दौरान की जानकारी उन्हें कैसी लग रही है और स्पिड के द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी के लिए अरमान संस्था से प्रोजेक्ट ऑफिसर फरहाना, यामिन तथा संघमित्रा और स्कॉटलैण्ड से आयीं मिस एलिस ने स्पिड संस्था के डायरेक्टर अवधेश यादव व क्षेत्र में काम करने वाली सखियों के साथ सागरपुर क्षेत्र में कैलाशपुरी झुग्गी बस्ती में रहने वाली उन महिलाओं से मुलाकात किये जिनका एममित्रा कार्यक्रम के अर्न्तगत पंजीकरण किया गया है और पिछले 3 से 4 महिने से एममित्रा के द्वारा दी जाने वाली जानकारी को प्राप्त करतीं हैं। महिलाओं ने बताया कि उन्हें कॉल सुनना अच्छा लगता है, इससे उन्हें समय–समय पर जॉच, टीकाकरण तथा बच्चे के देखभाल करने में सहायता मिलती है। उन महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना की।

क्षमतावर्धन कार्यशाला

दिनांक 13 मई 2017 को स्पिड सोसाइटी के दिल्ली आफिस में संस्था के अर्न्तगत चल रहे कार्यक्रमों में काम कर रहे साथियों के लिए एक क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान रिसोर्स पर्सन कृपाशंकर जी ने सभी सहभागियों के व्यक्तिगत उद्देश्यों को संस्था के उद्देश्यों में समानता के महत्व को स्पष्ट कियें। कार्यशाला का सबसे महत्वपुर्ण बिन्दु संचार पर चर्चा हुआ जिसका संस्था एवं व्यक्ति के विकास में कितना महत्व रखता है, तथा प्रत्येक कार्यक्रम में संचार एवं

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com

बच्चों ने लिया कार्यशाला में भाग

स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक या फिर विभिन्न कार्यशालाओं में उनकी भागीदारी के लिए प्रयास किया जाता है। उन्हीं में से दो कार्यशालायें जो कि दिल्ली चाइल्ड राइट्स क्लब के द्वारा आयोजित की गई बच्चो ने अपनी भागीदारी दी तथा अपना कौशल रोपण किया। पहली कार्यशाला 29 अप्रैल 2017 को इंडियन सोशल इन्स्टीट्यूट लोधी रोड में आयोजित थी जिसका उद्देश्य बच्चो के बीच थियेटर के प्रति जागरूकता तथा कौशलता बढाना था। सेन्टर की ओर से 3 बच्चे जो कि 10 वर्ष से 14 वर्ष उम्र के बच्चो ने भाग लिया तथा थियेटर की विभिन्न कलाओं तथा बारीकियों के बारे में जाना एवं विभिन्न समुहों में बँटकर दूसरे संस्थाओं के बच्चों के साथ मिलकर नाटक करने का प्रयास किया। 23 मई से 25 मई 2017 तक दिल्ली बाल अधिकार संगठन द्वारा आयोजित कार्यशाला में एस0एम0एस0 सेन्टर से 5 बच्चे तथा 1 स्टॉफ ने भाग लिया। बच्चो ने डिजिटल स्टोरी टेलिंग के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसमें बच्चो ने कहानी लिखने व बोलने के महत्व को समझा तथा अपनी दिल की बात को कैसे कहानी के रूप में बनाया जाए इसके बारे में भी सीखा। तीन दिन की यह कार्यशाला बच्चो के लिए बहुत लाभदायक तथा उपयोगी रही जिसमें कि बच्चो ने अपने जीवन से जुडी कोई एक घटना को कहानी के रूप में लिखना तथा चित्रो का उपयोग करते हुए कहानी समझाना सीखा। अन्त में संस्थाओं ने आयोजको को दो कहानियां दी ताकि उनकी कहानीयों को डिजिटल रूप मिल सके।

स्वास्थ्य शिविर।

स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर में सागर ट्रस्ट के सहयोग से आँखो की जाँच हेतु शिविर लगाए गये। पहला शिविर 24 अप्रैल 2017 को लगाया गया। इसमें 170 लोगो की निःशुल्क आखों की जाँच की गई। दूसरा शिविर 8 जुलाई को सेन्टर में लगाया गया। इसमें 83 लोगो की आँखो की जाँच की गई। आवश्यकता अनुसार लोगो को निःशुल्क दवा वितरित कि गयी। इस शिविर में जी0बी0 रोड के आस पास की महिलायें, पुरूष तथा बच्चें लाभान्वित हुए।

—स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेन्टर भ्रमण

22 जून 2017 को महिला एवं बाल विकास विभाग से सहायक निदेशक मिस0 रेनू लव तथा डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती आशा गाँधी ने सेन्टर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होनें सेन्टर के कार्यकर्ताओं तथा बच्चों से बातचीत की। बच्चों के साथ काफी समय भी व्यतीत किया। बच्चों ने उनके समक्ष नृत्य प्रस्तुत किया, हॉस्टल से आये एक बच्चें ने गीत सुनाया, बच्चो के द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं गीत देखने व सुनने के बाद आशा जी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा सुझाव दिया कि इनकी प्रतिभा को निखारने का संस्था को अवश्य प्रयास करना चाहिए। 6 वर्ष से कम आयु के बच्चो ने कविताएँ सुनाकर अधिकारियों का मन मोह लिया। कविता, गीत एवं नृत्य आदि देखने व सुनने के उपरान्त वे बहुत प्रसन्न हुए, उन्होने बच्चों की प्रशंसा की। छः वर्षीय बच्ची की कलाबाजी देखकर जिमनास्ट के क्षेत्र में उसके लिए प्रयास करने का सुझाव दिया।

—स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर

यू0एस0ए0 टीम का शैक्षणिक भ्रमण

यू0एस0ए के विश्वविद्यालय से 12 सदस्यी एक शैक्षणिक भ्रमण टीम ने जी0बी0रोड, नई दिल्ली स्थित स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर में जानकारी के लिए आयी, इस टीम में डॉ0 रोशेल उनके साथ 3 प्रोफेसर तथा 8 छात्रो का एक दल था। सेन्टर में होने वाली गतिविधियों तथा कार्यक्रम के बारे में सेन्टर की प्रभारी ललिता जी द्वारा इस दल को जानकारी दी गई। जी0बी0 रोड में रहने वाली महिलाओं के जीवन तथा समस्याओं के विषय में चर्चा की गई और इन छात्रो को उनसे अवगत कराया गया। उपरोक्त मेहमानो के समक्ष बच्चो ने अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों के इस कार्यक्रम में यू0एस0ए0 के दल ने भी बच्चो के साथ मिलकर इस नृत्य में भाग लिया। यू0एस0ए0 के दल ने बच्चो के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया। बच्चो को बटर पेपर और वायर से तितली बनाना सिखाया। बटर पेपर पर मनभावन रंगो का प्रयोग करके उससे सुन्दर—सुन्दर तितली बनाना सिखाया। मोतियों के प्रयोग से नकली आभूषण बनाना सिखाया। टीम के सदस्यों ने बच्चो के साथ बहुत आनन्द लिया।

—स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com

संपादकीय

स्पिड सोसाइटी के द्वारा 'स्पिड संदेश' प्रकाशित होने वाली एक त्रैमासिक पत्रिका है। जिसको संस्था द्वारा प्रकाशित किया जाता है। इस त्रैमासिक पत्रिका को प्रकाशित करने का हमारा उद्देश्य स्पिड संस्था द्वारा दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश (आगरा, मथुरा, वाराणसी, चंदौली) में विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत किए गए समाजिक कार्यों को आपके सामने लाना है। हम यह प्रयास करते है कि स्पिड संस्था द्वारा जो भी कार्य समाज की भलाई एवं विकास के लिए किये जा रहे हैं, उन सबकी जानकारी आप तक पहुँच सके। हम इस त्रैमासिक पत्रिका का तृतीय संस्करण जिसमें अप्रैल से जून, 17 माह में हुई गतिविधियों को शामिल किया गया है को आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। इस त्रैमासिक पत्रिका के अन्तर्गत संस्था द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में नियमित गतिविधियों के साथ – साथ, संस्था द्वारा समय– समय पर आयोजित किए गए विशेष कार्यक्रमों को भी सम्मिलित किया गया है। जिसका उद्देश्य समाज में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। इस पत्रिका से सम्बन्धित आप सभी के बहुमूल्य सुझाव/सुविचार आमंत्रित है। आप अपने विचार हमें इस पते पर भेजें –

– स्पिड

पता – स्पिड सोसाइटी, डब्ल्यु जेड–1374ए/2,

द्वितीय तल, कृष्णा भवन, नांगल राया, नई दिल्ली–46

सम्पर्क सूत्र – +91– 9311257097, 9818759685

वेबसाइट – www.spidsociety.org

sandesh@spidsociety.org | info@spidsociety.org

संपादकीय सदस्य

- अवधेश यादव
- ललिता एस0ए0
- अनिल कुमार मौर्या
- सृष्टि कुकरेजा

संदेश टीम

- राजु कुमार
- पूनम सिंह
- विनित त्रिपाठी
- शकुन्तला
- मुकेश कुशवाहा
- अनिता
- चन्द्रभान प्रजापति
- राजकुमार गौतम
- रमाशंकर
- प्रीति
- कविता

आर0टी0पी0 आगरा

दिनांक 14 जून 2017 को मधुनगर उखर्रा में एच0आई0वी0 जांच शिविर व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह शिविर ई0एच0ए0 संस्था तथा विकलांग समेकित पुर्नवास संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शिविर में विकलांग समेंकित पुर्नवास संस्थान के सभी सदस्यों के साथ बस्ती की महिला व पुरूषों ने भी अपनी जांच कराई। सभी लोगों की निःशुल्क जांच की गई व एच0आई0वी0 से बचने के बारे में परामर्श दिया गया। इस शिविर में लोगों को एच0आई0वी0 एड्स के कारण व उसके लक्षणों को बताया गया। जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को बताया गया कि एच0आई0वी0 होने के चार कारण हैं। 1. असुरक्षित यौन सम्बन्ध से 2. एचआईवी संक्रमित सुई से 3. एचआईवी संक्रमित मां से बच्चे को। 4. एचआईवी संक्रमित रक्त व रक्त उत्पाद को चढ़ाने से। लोगों को बताया गया कि यह बीमारी साथ खाने से, साथ बैठने से, कपड़े पहनने से यह बीमारी नही फैलती है साथ–साथ यह भी बताया गया कि इस बीमारी को जड़ से समाप्त नही किया जा सकता है परन्तु कुछ दवाओं के माध्यम से व्यक्ति स्वथ्य जीवन जी सकता है। इसके लिए सभी शहरों में आई0सी0टी0सी0 विभाग बनाये गये हैं जहां ऐसे व्यक्तियों की पहले कुछ जांचे होती है पुनः उन्हे ए0आर0टी0 विभाग भेजा जाता है जहां पर निःशुल्क दवायें वितरित की जाती है।

आर0टी0पी0 टीम आगरा

मीडिया की नजर में स्पिड

स्वदेश

घरेलू कामगारों में 90 फीसदी महिलाएं

कामगार अधिकार मंच चलाएगा जागरूकता अभियान

DLA

शहर के दो लाख घरेलू कामगारों में 90 फीसदी महिलाएं

स्वैच्छिक प्रशिक्षणकर्ता का विदाई समारोह

स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर के बच्चों को 18 महिनों तक अपना बहुमूल्य योगदान देकर उनके अन्दर छिपी प्रतिभा को निखारने का एक सुनहरा सुअवसर ऐन्टोना जी के द्वारा सेन्टर को प्राप्त हुआ। सेन्टर के बच्चों की चित्रकला में निरन्तर प्रयास से आए निखार के बाद पेटिंग की सफल प्रदर्शनी एन्टोना जी के कठिन परिश्रम का परिणाम रहा कि बच्चो द्वारा बनाई गयी चित्रकारिता को जिसने भी देखा वह उनकी सराहना किये बिना नही रह सका । 26 मई 2017 को स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर में एन्टोना जी की अन्तिम क्लॉस थी, सेन्टर के बच्चो ने उनके स्वागत में सेन्टर को बहुत सुन्दर तरीके से सजाया। सभी बच्चों ने मिलकर नृत्य संगीत का कार्यक्रम भी किया। एन्टोना जी के द्वारा पिछले 18 माह में बच्चो ने बहुत कुछ सीखा भविष्य में ऐसे लोगो का सेन्टर तथा बच्चों को बहुत अभाव अवश्य ही महसूस होगा। स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर के बच्चो तथा स्टॉफ के द्वारा उन्हें शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी गई।

–स्पिड एस0एम0एस0 सेन्टर

Design and Layout by:Santosh 9990900895 | Email-ombalesh@gmail.com